www.a2zpapers.com

Class – M.A-II Sem.
Subject – Hindi
Paper– X(Opt-i) नाटककार मोहन राकेश

Time Allowed : 3 Hours **Maximum Marks : 80**

भाग-क

नोट:-कुल आठ प्रश्न करें। प्रत्येक प्रश्न 6 अंकों का है। उत्तर 250 शब्दों तक सीमित हो। दो व्याख्याएँ आवश्यक हैं।

1. मैंने भावना में एक भावना का वरण किया है। मेरे लिए वह सम्बन्ध और सब सम्बन्धों से बड़ा है। मैं वास्तव में अपनी भावना से प्रेम करती हूँ जो पवित्र है, कोमल है, अनश्वर है .....।

2. तुम जिसे भावना कहती हो वह केवल छलना और आत्म प्रवंचना है। भावना में भावना का वरण किया है। मैं पूछती हूँ भावना में भावना का वरण क्या होता है? उससे जीवन की आवश्यकताएँ किस तरह पूरी होती हैं?

3. हर एक के पास एक-न-एक वजह होती है, इसने इसलिए कहा था। उसने उसलिए कहा था। मैं जानना चाहता हू कि मेरी क्या यही हैसियत है, इस घर में कि जो जब चाहे जिस वजह से जो भी कह दे, मैं चुपचाप सुन लिया करूँ? हर वक्त की दुतकार, हर वक्त की कोंच, बस यही कमाई है यहाँ मेरी इतने सालों की?

4. देखा है कि जिस मुट्ठी में तुम कितना कुछ एकसाथ भर लेना चाहती थी, उसमें जो था वह भी धीरे-धीरे बाहर फिसलता गया है - कि तुम्हारे मन में लगातार एक डर समाता गया है जिसके मारे तुम कभी घर का दामन थामती रही हो तो कभी बाहर का।

5. मोहन राकेश एक प्रयोगधर्मी नाटककार हैं। सिद्ध करें।

6. महेन्द्रनाथ का चरित्र चित्रण 'आधे-अधूरे' के आधार पर करें।

7. कालिदास की द्वन्दात्मक चेतना का विस्तृत वर्णन करें।

www.a2zpapers.com

www.a2zpapers.com

8. प्रियंगुमंजरी का चरित्र चित्रण करें।

9. मोहन राकेश के नाटकों में मूल्य चेतना पर विशेष टिप्पणी करें।

10. 'आषाढ़ का एक दिन' नाटक की नाटक के तत्वों के आधार पर समीक्षा करें।

11. 'आधे-अधूरे' नाटक के नामकरण की सार्थकता सिद्ध करें।

12. लहरों के राजहंस का प्रतिपाद्य लिखें। $8 \times 6 = 48$

खण्ड-ख

नोट:-दो प्रश्न करें। उत्तर पाँच पृष्ठों तक सीमित हो।

1. 'आधे-अधूरे' नाटक मध्यवर्गीय जीवन का दस्तावेज़ है। सिद्ध करें।

अथवा

2. कालिदास का चरित्र-चित्रण करें।

3. मोहन राकेश की नाट्य यात्रा का विस्तृत वर्णन करते हुए उनकी नाट्यात्मक उपलब्धियों पर चर्चा करें।

अथवा

4. लहरों के राजहंस के नामकरण की सार्थकता सिद्ध करें।

$2 \times 16 = 32$

******

www.a2zpapers.com